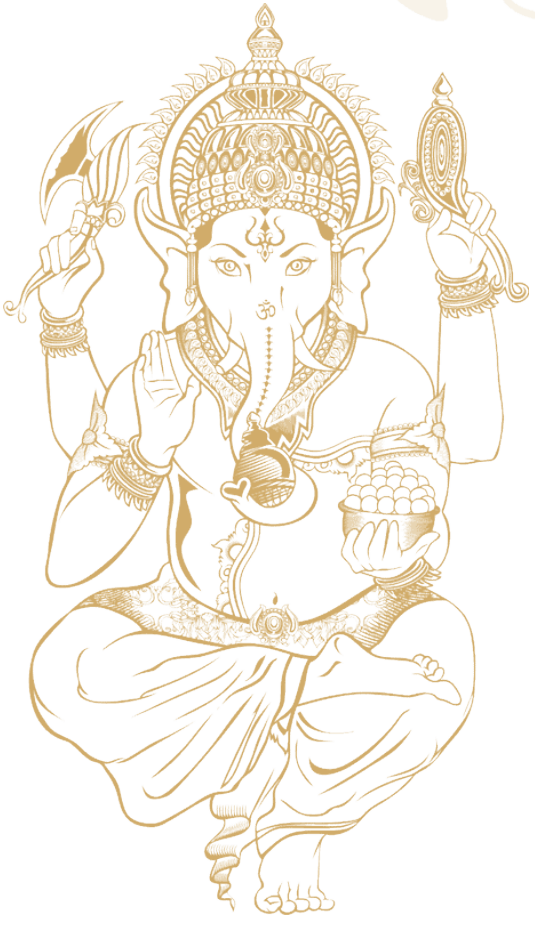

Mukesh Panday

17 Oct 1972

04:55 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/10/1972**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:55:00 घंटे**
इष्ट	56:18:35 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:28:36 घंटे
वेलान्तर	00:14:26 घंटे
साम्पातिक काल	06:10:52 घंटे
सूर्योदय	06:23:33 घंटे
सूर्यास्त	18:00:12 घंटे
दिनमान	11:36:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:12:45 तुला
लग्न के अंश	09:01:41 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:01:41	332:58:53	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			तुला	00:12:45	00:59:33	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मक	16:51:29	12:50:46	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	16:52:54	00:39:00	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			तुला	17:47:58	01:27:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			धनु	09:04:17	00:08:42	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	स्वराशि
शुक्र			सिंह	19:59:11	01:10:22	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	26:55:44	00:01:34	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		धनु	27:46:44	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	27:46:44	00:01:17	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			कन्या	25:32:26	00:03:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
नेप			वृश्चि	10:03:03	00:01:50	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	09:14:51	00:02:10	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	09:00:52	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:52

लग्न-चलित

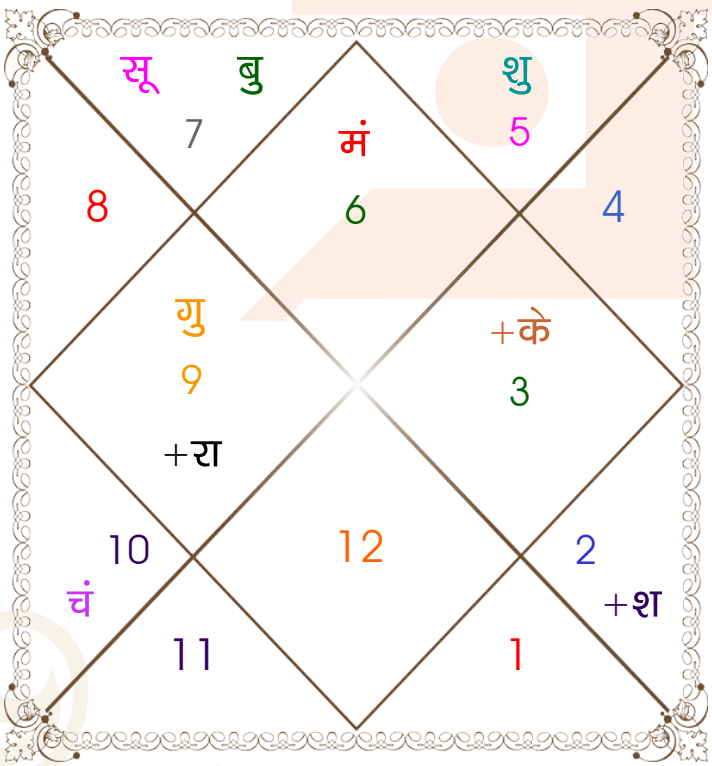

चन्द्र कुंडली

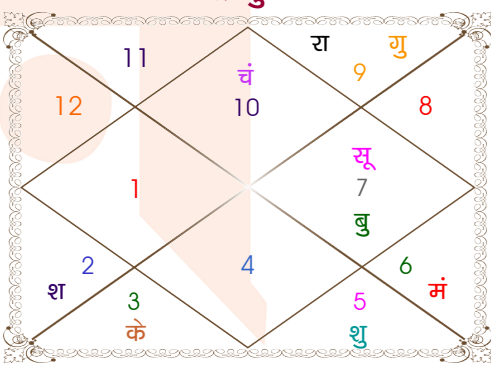

नवमांश कुंडली

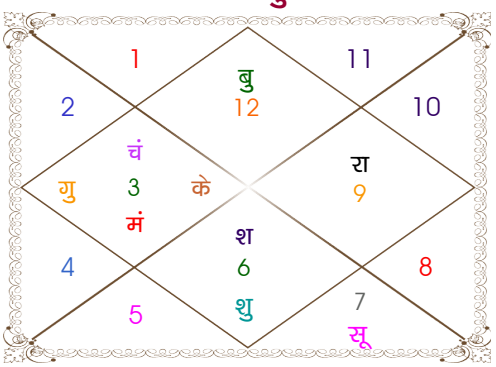

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 10 मास 8 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/10/1972		25/08/1977		25/08/1984		26/08/2002		26/08/2018	
25/08/1977		25/08/1984		26/08/2002		26/08/2018		25/08/2037	
	00/00/0000	मंगल	22/01/1978	राहु	08/05/1987	गुरु	13/10/2004	शनि	29/08/2021
	00/00/0000	राहु	09/02/1979	गुरु	01/10/1989	शनि	26/04/2007	बुध	08/05/2024
	00/00/0000	गुरु	16/01/1980	शनि	07/08/1992	बुध	01/08/2009	केतु	16/06/2025
	17/10/1972	शनि	24/02/1981	बुध	24/02/1995	केतु	08/07/2010	शुक्र	16/08/2028
शनि	26/06/1973	बुध	21/02/1982	केतु	14/03/1996	शुक्र	08/03/2013	सूर्य	29/07/2029
बुध	25/11/1974	केतु	20/07/1982	शुक्र	15/03/1999	सूर्य	25/12/2013	चंद्र	27/02/2031
केतु	26/06/1975	शुक्र	19/09/1983	सूर्य	06/02/2000	चंद्र	26/04/2015	मंगल	07/04/2032
शुक्र	24/02/1977	सूर्य	25/01/1984	चंद्र	07/08/2001	मंगल	01/04/2016	राहु	12/02/2035
सूर्य	25/08/1977	चंद्र	25/08/1984	मंगल	26/08/2002	राहु	26/08/2018	गुरु	25/08/2037

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/08/2037		26/08/2054		25/08/2061		25/08/2081		26/08/2087	
26/08/2054		25/08/2061		25/08/2081		26/08/2087		00/00/0000	
बुध	22/01/2040	केतु	22/01/2055	शुक्र	25/12/2064	सूर्य	13/12/2081	चंद्र	25/06/2088
केतु	18/01/2041	शुक्र	23/03/2056	सूर्य	25/12/2065	चंद्र	14/06/2082	मंगल	24/01/2089
शुक्र	19/11/2043	सूर्य	29/07/2056	चंद्र	26/08/2067	मंगल	20/10/2082	राहु	26/07/2090
सूर्य	25/09/2044	चंद्र	27/02/2057	मंगल	25/10/2068	राहु	13/09/2083	गुरु	25/11/2091
चंद्र	24/02/2046	मंगल	26/07/2057	राहु	26/10/2071	गुरु	01/07/2084	शनि	17/10/2092
मंगल	21/02/2047	राहु	14/08/2058	गुरु	26/06/2074	शनि	13/06/2085		00/00/0000
राहु	10/09/2049	गुरु	20/07/2059	शनि	25/08/2077	बुध	20/04/2086		00/00/0000
गुरु	17/12/2051	शनि	28/08/2060	बुध	25/06/2080	केतु	26/08/2086		00/00/0000
शनि	26/08/2054	बुध	25/08/2061	केतु	25/08/2081	शुक्र	26/08/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।